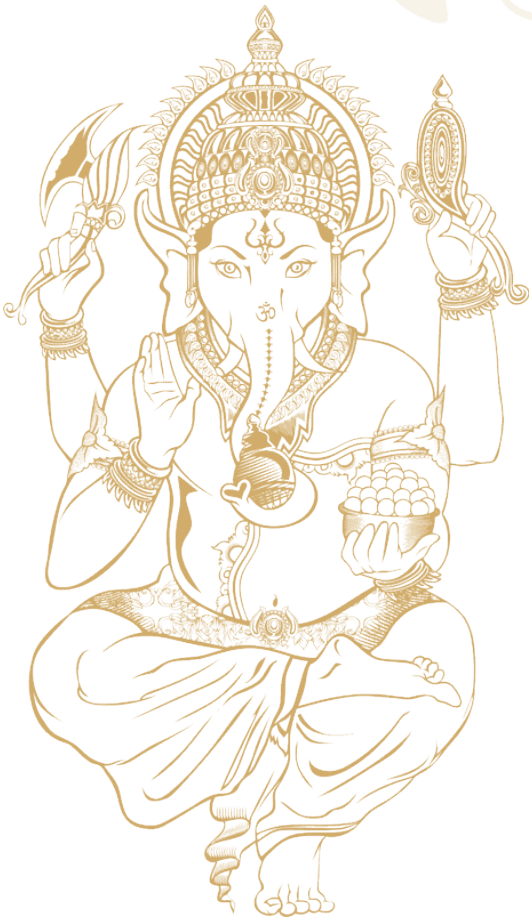

Mr. Prashoo malik

Sakshi singh

Model: Love-Horoscope

Order No: 119790101

Model: Love-Horoscope

Order No: 119790101 Date: 15/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/01/1995	जन्म तिथि	23/08/1997
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:37:00	जन्म समय	22:03:00 घंटे
घटी 23:32:43	जन्म समय(घटी)	40:32:35 घटी
India	देश	India
Bijnor	स्थान	Bijnor
29:22:00 उत्तर	अक्षांश	29:22:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:54	सूर्योदय	05:49:58
17:45:32	सूर्यास्त	18:49:33
23:47:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:25
मिथुन	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	भरणी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	2
अतिगण्ड	योग	वृद्धि
तैतिल	करण	विष्टि
टो-टोनी	जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
गौ	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 4मा 29दि		23:22:55	मिथु	लग्न	मेष	15:22:41	शुक्र 11वर्ष 8मा 13दि	
राहु		07:08:45	मक	सूर्य	सिंह	06:44:52	मंगल	
22/06/2015		02:24:41	कन्या	चंद्र	मेष	18:51:51	07/05/2025	
21/06/2033		06:35:49	सिंह व	मंगल	तुला	11:59:40	07/05/2032	
राहु	04/03/2018	25:37:30	मक	बुध व	सिंह	20:46:47	मंगल	03/10/2025
गुरु	27/07/2020	14:47:44	वृश्चि	गुरु व	मक	21:22:40	राहु	22/10/2026
शनि	03/06/2023	20:28:26	वृश्चि	शुक्र	कन्या	13:23:33	गुरु	28/09/2027
बुध	21/12/2025	16:07:52	कुंभ	शनि व	मीन	26:07:38	शनि	06/11/2028
केतु	08/01/2027	17:06:39	तुला व	राहु	सिंह	26:02:14	बुध	03/11/2029
शुक्र	08/01/2030	17:06:39	मेष व	केतु	कुंभ	26:02:14	केतु	01/04/2030
सूर्य	03/12/2030	02:52:54	मक	हर्ष व	मक	11:55:13	शुक्र	01/06/2031
चन्द्र	03/06/2032	29:32:58	धनु	नेप व	मक	03:54:06	सूर्य	07/10/2031
मंगल	21/06/2033	06:18:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:02:02	चन्द्र	07/05/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:25

लग्न-चलित

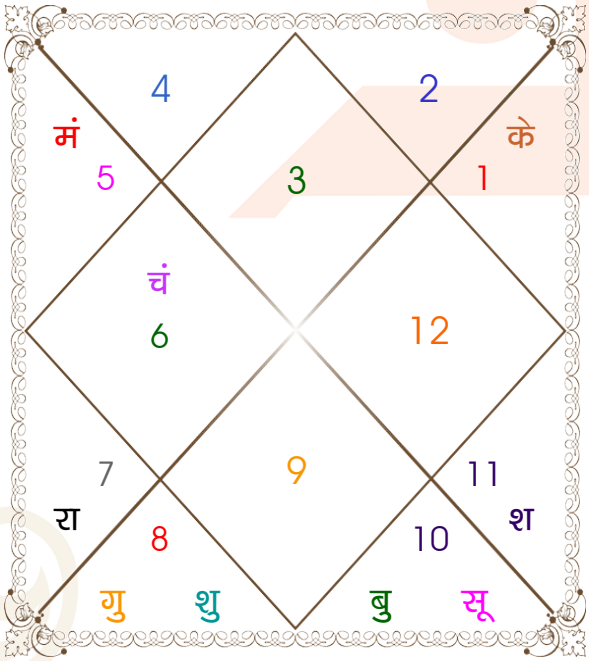

लग्न-चलित

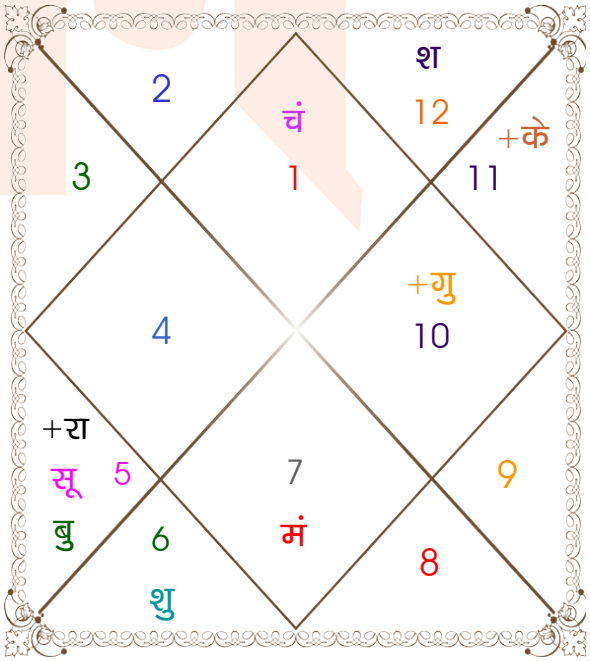

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

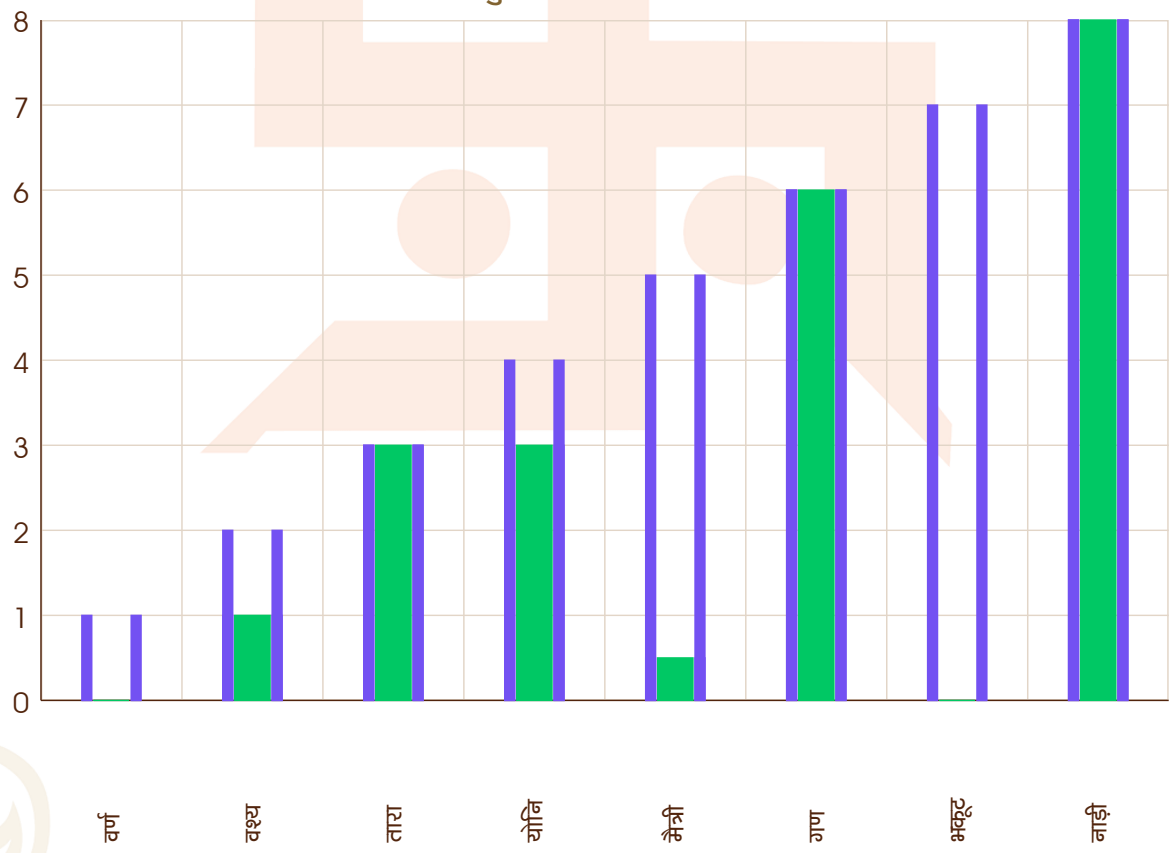

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण च्तौवव उंसपा का वर्ग श्वान है तथा Sakshi singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण च्तौवव उंसपा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Sakshi singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

डतण च्तौवव उंसपा तथा Sakshi singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण च्तौवव उंसपा का वर्ण वैश्य है तथा Sakshi singh का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Sakshi singh का वर्ण डतण च्तौवव उंसपा के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Sakshi singh अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Sakshi singh को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

डतण च्तौवव उंसपा का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Sakshi singh का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप डतण च्तौवव उंसपा एवं Sakshi singh दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Sakshi singh अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में डतण च्तौवव उंसपा अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

डतण च्तौवव उंसपा की तारा सम्पत तथा Sakshi singh की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से डतण च्तौवव उंसपा एवं Sakshi singh दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Sakshi singh एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

डतण च्तौवव उंसपा की योनि गौ है तथा Sakshi singh की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के

कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण च्तौवव उंसपा का राशि स्वामी Sakshi singh के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Sakshi singh का राशि स्वामी डतण च्तौवव उंसपा के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण च्तौवव उंसपा का गण मनुष्य तथा Sakshi singh का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

डतण च्तौवव उंसपा से Sakshi singh की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Sakshi singh से डतण च्तौवव उंसपा की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। डतण च्तौवव उंसपा एवं Sakshi singh दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। डतण च्तौवव उंसपा शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Sakshi singh बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

डतण च्तौवव उंसपा की नाड़ी आद्य है तथा Sakshi singh की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह

मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण च्तौवव उंसपा की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Sakshi singh की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। पृथ्वी तत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh के स्वाभाविक गुणों में अंतर रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh का मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

डतण च्तौवव उंसपा की राशि का स्वामी बुध तथा Sakshi singh की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु तथा सम भाव में पड़ते हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर विवाद विरोध एवं वैमनस्य का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Sakshi singh की उग्रप्रवृति भी ऐसे वातावरण को बनाने में प्रमुख रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता का वातावरण रहेगा।

डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh की जन्म राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके दुष्प्रभाव से वैवाहिक सुख में न्यूनता रहेगी तथा परस्पर आलोचना एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर पारिवारिक अशांति की बहुलता होगी। साथ ही परस्पर संबधों में तनाव एवं कटुता की प्रबलता से अलगाव तक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

डतण च्तौवव उंसपा का वश्य मानव तथा Sakshi singh का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद के मध्य स्वाभाविक शत्रुता एवं विषमता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा एक दूसरे को काम संबधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में सुख की न्यूनता रहेगी।

डतण च्तौवव उंसपा का वर्ण वैश्य एवं Sakshi singh का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। जहां डतण च्तौवव उंसपा वणिक बुद्धि के व्यक्ति होंगे तथा धनार्जन में नित्य तत्पर रहेंगे वहीं Sakshi singh पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने की इच्छुक रहेंगी।

धन

डतण च्तौवव उंसपा की तारा सम्पत तथा Sakshi singh की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से डतण च्तौवव उंसपा सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Sakshi singh के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा

प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Sakshi singh का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

डतण च्तौवव उंसपा का जन्म आद्य तथा Sakshi singh का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव डतण च्तौवव उंसपा के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए डतण च्तौवव उंसपा को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। Sakshi singh सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे डतण च्तौवव उंसपा और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर डतण च्तौवव उंसपा और Sakshi singh का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sakshi singh तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Sakshi singh धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Sakshi singh के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sakshi singh का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

डतण च्तौवव उंसपा तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतण च्तौवव उंसपा के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतण च्तौवव उंसपा को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतण च्तौवव उंसपा के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण च्तौवव उंसपा के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Mr. Prashoo malik

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली व्यक्ति हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाते हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहते हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत हो जाते हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देते हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरो की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करते हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता हैं। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नही करते परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहते हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगे। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगिनी

का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे। स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वांस नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें। आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।

Sakshi singh

आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित हो रहा था। साथ-साथ भरणी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह का नवमांश एवं सिंह राशि का ही द्रेष्काण भी प्रभावित था। आपके जन्म प्रभाव से यह सुनिश्चित है कि आप प्रचुर मात्रा में सुख-आराम एवं विलासिता संबंधी वस्तुओं का संचय करेंगी, जो अत्याधिक पश्चाताप विपत्ति का कारण भी बन सकता है।

आप शारीरिक रूप से पुष्ठ एवं शक्तिशाली होंगे, साथ ही आपकी आंखे सुंदर, दृष्टि तीक्ष्ण होगी। आप निःसंदेह आरामदेह जीवन बिता सकेंगी। आपके सेवक आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। आप धार्मिक, उदार, दानी बनकर संपूर्ण आनंदमयजीवन बिताएंगी। आपकी आज्ञा का सम्मान अन्य व्यक्ति भी करेंगे। विशेष कर 25 वर्ष की आयु के पश्चात् वास्तव में आपके धनोपार्जन के लिए भाग्यशाली एवं उचित समय प्रांरभ होगा।

यह विश्वसनीय है कि यदि आप प्रसन्नता पूर्वक भाग्यशाली जीवन बिताना चाहती हैं तो सतत धुम्रपान करना, विलासिता पूर्ण जीवन का विस्तार करना, कामुकता पूर्ण एवं मद्य पान करना, रंगरलियां मनाना बंद करें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप यौन-रोग से प्रभावित होकर दीर्घकालीन रोगी हो जाएंगी। आप सदैव ही दीर्घकालीन रोग तथा मस्तिष्क रोग से सुरक्षित रहने के लिए सतर्क रहे तब आप स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप विलासी और प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप अपने हेतु संगीत, खेल-कूद, पशु चिकित्सा अथवा नेत्र विशेषज्ञ विभाग को जीवन के लिए अनुकूल समझेंगी। आप सदैव ही धनोपार्जन हेतु होटल, डीलरशिप, चर्म एवं चर्मोद्योग का धंधा प्रारंभ कर सकती हैं।

आप साहस एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण बहुत प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी। आप बिना किसी अन्य की राय लिए ही अपना निर्णय कायम करेंगी। परंतु आप अपने गलत निर्णय को नियमबद्ध तरीके से प्रेरित नही कर सकती। अतः उत्तम तो यह है कि सुदृढ़ निर्णय लेने के पश्चात् ही विश्वसनीयता पूर्वक किसी प्रस्ताव को नियमित करें।

आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप अपनी राह पर चलकर, अपनी बड़ी मित्र मंडली के सहयोग द्वारा जीवन की यात्रा तय कर सकती हैं।

आपके जीवन में विद्वेष तथा मतांतर से आपका प्रेम संबंध भी उत्तेजित रहेगा। आप सदैव ही अपना पारिवारिक जीवन सुखमय रखने का प्रयास करेंगी। आपके पति आपका पूर्ण समर्थन करेंगे तथा आपके साथ जीवन बिताना चाहेंगे परंतु आपके व्यवहार से कुप्रभावित होकर आपके साथ कटुता का अनुभव कर किसी भी क्षण आपसे विमुख हो जाएंगे।

आप अपने साहसिक एवं सृजानात्मक प्रवृत्ति से अपने विचारों में परिवर्तन लाकर, बहुत सी यात्राएं करेंगी। क्योंकि आप विभिन्न स्थानों में नाना प्रकार की मित्रता प्रारंभ करेंगी। अर्थात् बहुत प्रकार के लोगों से मित्रता स्थापित करेंगी। परिणाम स्वरूप आपका बहुत ही अधिक धन का अपव्यय होगा।

आपके लिए यह स्पष्ट निर्देश है कि आप अपने जीवन को उत्तेजना रहित रखने के लिए मादक पेय एवं मांसहार का त्याग करें। आपको बहुतायत में हरी-सब्जियों का (व्यवहार) आहार सदैव लेना चाहिए यही आपके लिए उत्तम है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए भग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक तरंगित है। इसके अतिरिक्त अंक 4 और 8 अंक आपके लिए प्रभावशाली है। अंक 6 और 7 अंक अनुपयुक्त है। शेष अंक 2, 3 एवं 5 अंक कभी ठीक कभी निष्क्रिय फलदायी होंगे।

आपके लिए उपयुक्त एवं अनुकूल रंग पीला, स्वर्णिम, एवं लाल है, जब कि काला रंग पूर्णरूपेण त्याज्य है।

Mr. Prashoo malik

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Sakshi singh

आपका जन्म दिनांक 23 है। दो एवं तीन के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक तीन का गुरु है। अतः आपके जीवन पर मूलांक स्वामी बुध अंक स्वामी चन्द्र तथा गुरु तीनों का सम्मिलित प्रभाव दर्शनीय होगा।

मूलांक पाँच के प्रभाव से आपकी रुचि नौकरी की अपेक्षा व्यापार में अधिक रहेगी। बुध वाणिज्य का दाता है। यदि नौकरी भी करेंगी तो कॉमर्शियल विभाग, वित्त प्रधान कार्यों में रुचि रखेंगी, अथवा आपके पति इन विभागों में हो सकते हैं। आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से समाप्त करेंगी। रोजगार का चुनाव आप ऐसा ही करेंगी जहाँ कार्य शीघ्रता से एवं कम मेहनत करने पर अधिक लाभ प्राप्त होता हो। मानसिक स्थिति चंचल होने से क्रोध आपको जल्दी आयेगा, लेकिन उसी गति से शान्त हो जायेगा। बुद्धि का अधिक प्रयोग करने के कारण वृद्धावस्था में आपको स्नायुवेग के रोगों की संभावना रहेगी। चन्द्र प्रभाव से शीतरोग एवं गुरु प्रभाव से पीलिया जैसे उदर रोगों का सामना करना पड़ेगा।

चद्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। बौद्धिक स्तर

उच्च होगा। समाज में घुल-मिल जाने की कला में आप निपुण रहेंगी। सामाजिक ख्याति आपकी उच्चकोटि की रहेगी एवं मुखिया इत्यादि का सामाजिक पद विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। आपको अपनी मानसिक चंचलता पर नियंत्रण रखना भविष्य के लिये लाभ दायक रहेगा।

Mr. Prashoo malik

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Sakshi singh

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।